ग्रामीण कृषि मौसम सेवा
भारत मौसम विज्ञान विभाग
गोविंद बल्लभ पंत कृषि और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय
उधम सिंह नगर, पंतनगर, उत्तराखंड

मौसम आधारित कृषि परामर्श सेवाएं

दिनांक : 12-11-2024

उधम सिंह नगर(उत्तराखंड) के मौसम का पूर्वानुमान - जारी करनेका दिन :2024-11-12 (अगले 5 दिनों के 8:30 IST तक वैध)

मौसम कारक	2024-11-13	2024-11-14	2024-11-15	2024-11-16	2024-11-17
वर्षा (मिमी)	0.0	0.0	0.0	0.0	0.0
अधिकतम तापमान(से.)	29.0	29.0	29.0	28.0	28.0
न्यूनतम तापमान(से.)	16.0	15.0	15.0	14.0	14.0
अधिकतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	85	82	82	82	80
न्यूनतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	80	80	78	75	72
हवा की गति (किमी प्रति घंटा)	5	5	6	7	7
पवन दिशा (डिग्री)	325	330	340	320	320
क्लाउड कवर (ओक्टा)	0	0	0	0	0

मौसम सारांश / चेतावनी:

पिछले सप्ताह (5 से 11 नवंबर) क्षेत्र में 5 नवंबर को नाममात्र के लिए वर्षा हुई तथा अधिकतम-न्यूनतम तापमान क्रमश: 28.9 से 30.0 डिग्री सेल्सियस तथा 17.1 से 21.3 डिग्री सेल्सियस रहा। सुबह और शाम की सापेक्षिक आर्द्रता क्रमश: 80-92% और 56-62% के बीच रही, जबकि हवा 0.8-2.3 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से उत्तर-उत्तर-पश्चिम, उत्तर-पश्चिम और पश्चिम-उत्तर-पश्चिम से बह रही थी। पिछले सप्ताह अधिकांश दिनों मौसम धुंधला रहा। आगामी पूर्वानुमान के अनुसार 13-16 नवंबर के बीच वर्षा नहीं होगी तथा अधिकतम-न्यूनतम तापमान क्रमश: 28.0-29.0 डिग्री सेल्सियस तथा 14.0-16.0 डिग्री सेल्सियस रहने की उम्मीद है। हवा 5-7 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से उत्तर-पश्चिम, उत्तर-पश्चिम-उत्तर और उत्तर-उत्तर-पश्चिम से बहने की उम्मीद है। 13-16 नवम्बर तक शुष्क मौसम रहने की संभावना है।

सामान्य सलाहकार:

क्षेत्र में मौसम की स्थिति के बारे में नियमित अपडेट के लिए, किसान गूगल प्ले स्टोर (एंड्राइड उपयोगकर्ता) और ऐप सेंटर (आईओएस उपयोगकर्ता) में उपलब्ध ऐप "मेघदूत" तथा बिजली की स्थिति के बारे में अपडेट के लिए ऐप "दामिनी" प्रयोग कर सकते है। एनडीवीआई राज्य के अलग-अलग क्षेत्रों में 0.35-0.60 के बीच अच्छी कृषि शक्ति दर्शाता है। विस्तारित अवधि का पूर्वानुमान 08.11.2024 से 14.11.2024 के दौरान कम वर्षा और सामान्य अधिकतम न्यूनतम तापमान की प्रवृत्ति दर्शाता है।

लघु संदेश सलाहकार:

आईएमडी के पूर्वानुमान के अनुसार, आगामी सप्ताह में शुष्क मौसम रहने की उम्मीद है, इसलिए कटी हुई फसल को सुखाकर अच्छी तरह से संग्रहित किया जाना चाहिए, जबकि रबी फसलों में बुवाई का काम जारी रखना चाहिए।

फ़सल विशिष्ट सलाह:

फ़सल	फ़सल विशिष्ट सलाह
मूँगफली	फसल पकने पर उसे खोदकर निकाल लेना चाहिए और अच्छी तरह सुखाने के बाद भण्डारित कर लेना चाहिए।
अरहर (लाल चना/अरहर)	फसल में कीट प्रबंधन के उपाय किए जाने चाहिए तथा यदि अगेती किस्मों में 75-80% फलियाँ पक गई हों तो फसल की कटाई कर लेनी चाहिए।
चना	वर्षा आधारित परिस्थितियों में पिछले महीने बोई गई फसल की नियमित निगरानी की जानी चाहिए तथा 25-30 दिन पुरानी फसल पर निराई-गुड़ाई करनी चाहिए, जबकि सिंचित परिस्थितियों में फसल की बुआई महीने के पहले पखवाड़े तक कर लेनी चाहिए।
मसूर की दाल	वर्षा आधारित परिस्थितियों में पिछले महीने बोई गई फसल की नियमित निगरानी की जानी चाहिए तथा 25-30 दिन पुरानी फसल पर निराई-गुड़ाई करनी चाहिए, जबकि सिंचित परिस्थितियों में फसल की बुआई महीने के पहले पखवाड़े तक कर लेनी चाहिए।
रेपसीड	समय पर बोई गई फसल की नियमित निगरानी महत्वपूर्ण है और फूल आने से पहले आवश्यकतानुसार सिंचाई करनी चाहिए और बुवाई पूरी हो जानी चाहिए।
सरसों	समय पर बोई गई फसल की नियमित निगरानी महत्वपूर्ण है और फूल आने से पहले आवश्यकतानुसार सिंचाई करनी चाहिए और बुवाई पूरी हो जानी चाहिए।
गेहूँ	वर्षा आधारित परिस्थितियों में फसल की बुवाई महीने के पहले सप्ताह तक कर देनी चाहिए और सिंचित परिस्थितियों में महीने के पहले पखवाड़े तक।
फील्ड पी	वर्षा आधारित परिस्थितियों में पिछले महीने बोई गई फसल की नियमित निगरानी की जानी चाहिए तथा 25-30 दिन पुरानी फसल पर निराई-गुड़ाई करनी चाहिए, जबकि सिंचित परिस्थितियों में फसल की बुआई महीने के पहले पखवाड़े तक कर लेनी चाहिए।

बागवानी विशिष्ट सलाह:

बागवानी	बागवानी विशिष्ट सलाह
प्याज	इस महीने में रबी प्याज की फसल की बुवाई की जा सकती है।
आलू	इस महीने में कुफरी बादशाह, कुफरी ज्योति, कुफरी अलंकार, कुफरी चंद्रमुखी आदि आलू की बुआई की जा सकती है।

पशुपालन विशिष्ट सलाह:

पशुपालन	पशुपालन विशिष्ट सलाह
भेंस	पशुओं को एफएमडी (खुरपका-मुंहपका रोग) का टीका लगाया जाना चाहिए। खुरपका-मुंहपका रोग की पहचान लाल आंखें, तेज बुखार, कम उत्पादकता और भोजन लेने की क्षमता, मुंह के छाले, पशुओं के उपचार में देरी के कारण पैर में घाव से होती है। संक्रमित पशुओं को स्वस्थ पशुओं से अलग रखना चाहिए।
गाय	पशुओं को एफएमडी (खुरपका-मुंहपका रोग) का टीका लगाया जाना चाहिए। खुरपका-मुंहपका रोग की पहचान लाल आंखें, तेज बुखार, कम उत्पादकता और भोजन लेने की क्षमता, मुंह के छाले, पशुओं के उपचार में देरी के कारण पैर में घाव से होती है। संक्रमित पशुओं को स्वस्थ पशुओं से अलग रखना चाहिए।

अन्य (मृदा / भूमि तैयारी) विशिष्ट सलाह:

अन्य (मृदा / भूमि तैयारी)	अन्य (मृदा / भूमि तैयारी) विशिष्ट सलाह
सामान्य सलाह	देर से बोई जाने वाली खरीफ की फसलें जैसे चावल, उड़द, मूंग, सोयाबीन और टिल की कटाई कर लेनी चाहिए ताकि रबी की फसलें समय पर बोई जा सकें